web: www.ratnakarfertilizerindustries.com

Ratnakar®
Fertilizer Industries Pvt. Ltd

भारत सरकार मान्यता प्राप्त जैविक एवं रासायनिक उत्पाद

मैनेजमेंट

श्री नरेंद्रपंडया, चेरमेन, रत्नाकर फर्टिलाइज़र इंडस्ट्रीज, हमारा उत्पादन स्थल गांव सातेज जिल्ला गांधीनगर में हे| मेंने 1968 मे केमेस्ट्री के साथ B.sc किया| उसके बाद बायोटेक्नोलोजी में M.TECH किया। मेने अभ्यास पूर्ण करने के बादमें 1972 में जंतुनाशक दवाइया और इंटरमेडिटेस में मेनुफेक्चरिंग चालू किया। कुछ बरसो के बाद पेस्टीसाइडका दुश प्रभाव धरती माता पर और मनुष्य जीवन पर पड़ रहा हे ऐसा मुझे लगने पर मेने जैविक उत्पाद बनाना शुरू किया। 1997 में मेने जैविक उत्पाद बनाना शुरू किया। शरुआत के 10 वर्षो में मेने ऐसे उत्पाद बनाये जिसके उपयोग से ज्यादा और अच्छी गुणवत्ता मिले। 2007 में प्लान्ट उत्पादन को फेलाने के साथ में कई प्रकार के जैविक उत्पादन किया।

वर्तमान में रत्नदीप ,रत्नाकर, रत्नसागर , रत्नमणि और रत्नपुष्प जेसी आधुनिक प्रोडक्ड्स बनाता हु हमारे सारे उत्पादनो 100 % जैविक है और GREEN CERT द्वारा N.P.O.P का प्रमाणपत्र प्राप्त है।

श्री। नरेंद्र पंड्या
चैरमेन

श्री निरवसिंह वाघेला , रत्नाकर फ़र्टिलाइज़र इंडस्ट्रीज़ के मेनेजिंग डाइरेक्टर और C.E.O है। M.B.A मार्केटिंग में और 16 साल का मार्केटिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में अनुभव के साथ रत्नाकर फर्टिलाइज़र इंडस्ट्रीज़ आज नई ऊंचाई पर पहोची है। आज उनके नेतृत्व मे कंपनी द्वारा अछे उत्पाद तैयार किये गए है और पुरे देश में विस्तृत डीलर नेटवर्क तैयार किया है| गुणवता युक्त उत्पाद और किसानो के फसल का सपूर्ण मुल्य सफलता की चाबी है, खास करके कृषि में ऐसी चीज़ कम देखनेको मिलती है और इसीको मेने हमारा लक्ष्य बनाया| अच्छी गुणवत्ता और विस्तृत नेटवर्क के साथ निरंतर रिसर्च जैविक तकनिकी आनेवाले समय की मांग रहेगी। अनेक राज्यों में हमारे उत्पाद को सराहा गया है और वर्तमान में किसानो को भी अब जैविक खाद और उसके उत्पादन देनेवाली क्षमता पर यक़ीन आ रहा है। मेरा मानना है की जैविक खाद, जैविक दवाइया और उससे बननेवाली पेदाशो और विशाल भूमि की उपलब्धता के साथ हम विश्व की कृषि आवश्यकता को पूरा कर सकेगे।

श्री निरवसिंह वाघेला
मेनेजिंग डाइरेक्टर और C.E.O

श्री नटवरभाई मोहनदास पटेल , 1972 में आणंद की B.A कालेज में B.sc एग्री के साथ किया। श्री नटवरभाई कृषि सुपरवाइज़र , कृषि अधिकारी और कृषि सहायक नियामक जैसे विविध पदों पर 36 सालो तक राज्य कृषि विभागमे सेवा प्रदान की है। खेती पध्दति, खेती व्यवस्थापन , कृषि विभाजन , सजीव खेती , जंतु व्यवस्थापन, जंतु और जीवात के जैविक नियंत्रण में निपुणता हासिल की हुई है। उनको बीज उत्पादन का भी अनुभव है। सेवानिवृति के बाद सामाजिक कार्य को जीवन का लक्ष्य बनाया और उनके साथ सरकारी योजनाओ और एनजिओ के साथ मिलके किसान की आर्थिक सुद्रढता बढे , कम खर्चे में खेती, सजीव खेती , रासायनिक उर्वरक - जंतुनाशक दवाइया मुक्त खुराक - घास - चारा और दूध की गुणवता सुधारना ऐसे कई सारे विषयो पर काम किया है। मेरे जीवन का लक्ष्य है की स्वस्थ खुराक द्वारा तंदुरस्त भारत का निर्माण करना है।

नटवरभाई मोहनदास पटेल
कृषि विज्ञानी

जैविक खेती समय की मांग है। भारत में जैविक खाद का प्रयोग दिन प्रतिदिन बढ रहा है। आवश्यकता से अधीक उर्वरक और दवाईया के प्रयोग से जमीन की उत्पादन क्षमता कम हो रही है। लोगो के स्वाथ्य पर भी बुरा प्रभाव हो रहा है। इन सभी समस्याओ के समाधान के लिए लक्ष्य होना चाहिए जैविक खेती की और आगे बढो।

धरती रत्नम ग्रेनुअल

पेकींग: 50 (कि.ग्रा)

1) धरती रत्नम दानेदार बायो टेक्नोलोजी संशोधीत सर्वश्रेठ जमीन सुधारक है।
2) फसल की उत्पादन और गुणवत्ता में बढ़ोतरी करता है।
3) जमीन की उत्पादन शक्ति बढाता है।
4) जमीन में रहनेवाले असंख्य जीवाणुओका (बैक्टेरिया) का भोजन है। जिससे जीवाणुओ की संख्या बढती है।
5) लम्बे समय तक दानेदार खाद के प्रयोग से उत्पादन में बढोतरी और कृषि लागत में कमी आती है।
6) दानेदार खाद से नियमित प्रयोग से दूसरे खाद की आवश्यता मे कमी होती है।
7) धरती रत्नम दानेदार खाद 100 फिसदी इस्तमाल होता है , जिससे वह पौधों को पुरे मात्रा में मिलता है।
8) जमीन के उपरी हिस्से पे रहने से जड़ो को पोषण प्रदान करता है।

धरती रत्नम दानेदार का उपयोग बुआई के साथ और बुआई के बाद पुरट खाद के साथ डाल के अधिक उत्पादन का लाभ प्राप्त होता है।

मौसम मे उतार - चढाव से बचने के लिए रत्नदीप और रत्नपुष्प (100 ml + 100 ml) प्रति 15 ltr पानी में तुरंत उपयोग करे।

रत्नमणी®

पेकींग: 5 (कि.ग्रा)

1) जमीन के लिए संजीवनी समान - ताकतो से भरपूर।
2) रत्नमणी दानेदार बायो टेकनोलोजी संशोधीत सर्वश्रेठ जमीन सुधारक है।
3) फसल की उत्पादन और वृद्धि में बढोतरी करता है।
4) जमीन की उत्पादन क्षमता बढाता है।
5) जमीन मे रेहने वाले असंख्य जीवाणुओं (बैक्टेरिया) का भोजन है। जिससे जीवाणुओं की संख्या बढती है।
6) लम्बे समय तक दानेदार खाद के प्रयोग से उत्पादन में बढोतरी और कृषि लागत में कमी आती है।
7) दानेदार खाद के नियमित प्रयोग से दूसरे खाद की आवश्यकता कम होती है।
8) रत्नमणी दानेदार खाद का उपयोग क्षमता 100 फीसदी होती है, जिससे वह पौधो को पुरे मात्रा में मिलता है।
9) जमीन के उपरी हिस्से पे रहने से जड़ो को पोषण प्रदान करता है।

रत्नमणी दानेदार का उपयोग :

हर फसल मे जरुरत अनुसार इस्तमाल कर सकते है।

रत्नदीप®

पैकिंग: 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर, 5 लीटर

रत्नदीप सर्वश्रेठ जैविक (BIO - DEGRADABLE) प्रवाही है। वह पौधो की सभी आवश्यक तत्वों की पूर्ति करता है जिससे पौधो का संपूर्ण विकास होता है।

रत्नदीप के उपयोग से लाभ :

1) रत्नदीप मे नाइट्रोजन ,फोस्फरस ,पोटाश ,जैविक कार्बन ,जिंक और बोरोन जैसे सभी तत्व अधिक मात्रा में है। जिससे पौधो का तुरंत विकास होता है।

2) रत्नदीप से अधिक मात्रा में उत्पादन बढता है। जिससे विभिन्न रोगो के सामने प्रतिकारक शक्ति बढती है। जिससे फसलों में किट रोग प्रभाव कम पड़ता है।

3) उपज निरोगी ,स्वादिष्ठ और लम्बे समय तक रहे जैसी गुणकारी होती है।

4) रत्नदीप मौसम के उतार - चढाव से सुरक्षा करता है।

5) पौधो की शाखाओ का विकास ,फूलो की गठन क्रिया एवं फूलो से फल बनने की क्रिया को बढावा देती है।

6) रत्नदीप पौधो का आंतरिक और बाह्य विकास के लिए जरुरी सरे तत्वो को उपलब्ध कराता है।

7) रत्नदीप से फसल की गुणवत्ता बढती है और किसान को अच्छे दाम मिलते है।

रत्नदीप इस्तमाल करने की तकनीक : 7 से 15 दिन के अंतर रख के 3 बार छिड़काव करे।

रत्नपुष्प

पैकिंग: 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर

1) रत्नपुष्प में नाइट्रोजन ,प्रोटीन भरपूर मात्रा मे पाये जाते है जिससे पौधो का संपूर्ण विकास होता है।

2) फूलो की संख्या और उत्पाद बढाता है।

3) पौधो से फूलो को बनाने में महत्वपूर्ण कार्य करता है।

4) पौधो की शाखाओ का विकास , फूलो की गठन क्रिया एवं फूलो से कली बनने की क्रिया को बढावा देता है।

5) रत्नपुष्प किसी भी मौसम के उतर चढाव के वक्त फूलो को गिरनेसे रोकता है।

6) पौधो का विकास , नई शाखाओ और संख्या में वृद्धि करता है।

रत्नपुष्प इस्तमाल करने का वक्त : पौधो पर फूल आने से पहले

50 ML./15 LTR .पानी में घोलकर स्प्रे करे।

रत्नसागर®

पैकिंग: 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर

1) जमीन में पानी की संग्रह शक्ति में बढोतरी करता है।
2) जडो की पूर्ण विकासमे मदद करता है।
3) जमीन को उपजाव बनाता है।
4) जमीन के अंदर होनेवाले फल-सब्जी और मूंगफली ,गन्ना जैसी फसल को विकसित करता है।
5) फसल को देनेवाला प्रथम पानी एवं सिंचाई के साथ दिया जाता है।

मात्रा : 500 ML / 1 LTR प्रति एकर

रत्नाकर®

पैकिंग: 500 मिली, 1 लीटर, 5 लीटर

1) रत्नाकर प्रवाही बायोटेक्नोलोजी संशोधित भूमि सुधारक है|
2) बागाबानी फसल मे आकार एवम, वजन बढ़ाने के लिए खास उपयोगी है|
3) गेहू, जीरा, मूंगफली, कपास जैसे फसल में रोग प्रतिरोधक शमता बढ़ता है|
4) सभी प्रकार की सब्जिआ टमाटर, बैगन, भिंडी, प्याज में गुणवत्ता बनाता है |
5) भूमि की उपत्पादन क्षमता में बढ़ावा करता है|
6) भूमि में लाभकर जीवाणुओं की संख्या में वृद्धि करता है।

मात्रा : 1 LTR प्रति एकड

દ્રૌણા - द्रौना - DRAUNA

संरचना: वनस्पतिअर्क 60 % + स्टेबलाइजर्स 20 % + सहायक सामग्री 20 %

मात्रा: 3 मिली प्रति लीटर पानी (45 मिलीलीटर प्रति पंप)

लाभ: लगभग सभी प्रकार के इल्ली के अलावा, द्रोणा के छिड़काव से बैंगन में फल खाने वाले कैटरपिलर और गोभी में हीरे की परत को भी नियंत्रित किया जा सकता है।

छिड़काव का समय: जब कैटरपिलर फसल पर दिखाई देने लगते हैं। फिर हर 15 दिन में स्प्रे करें।

किसके साथ मिलाया जा सकता है: लगभग सभी प्रकार के कीटाणुनाशक, फफूंदनाशी या यहां तक कि तरल उर्वरकों के साथ मिलाया जा सकता है।

पैकिंग: 100 मिली, 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर

અશ્વમેધ - अश्वमेघ - ASHWAMEGH

मात्रा: एक पंप (पानी की 15 लीटर) में केवल 30 से 40 मिली का उपयोग करें.

लाभ: अष्वमेघ फसलओ को हानि पहोचाने वाले रोग जैसे की पावडरी मिल्डयू, डाउनी मिल्ड्यू , टपके का रोग, गेरू, कुकड़वात के सामने रक्षा देता है.

पैकिंग: 100 मिली, 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर

લવ કુશ - लवकुश - LUV KUSH

मात्रा: एक पंप (पानी की 15 लीटर) में केवल 30 से 40 मिली का उपयोग करें

लाभ: लवकुश हर फसल में सफेद मक्खी, एफिड्स, जेसिड जैसे कीटों को नियन्त्रण करते है।

पैकिंग: 100मिली, 250मिली,500 मिली, 1 लीटर

પહેલવાન - पहेलवान - PAHELVAN

संरचना: थायामेथोक्ज़ाम 12.6% + लैंबडा साहेलोथ्रिन 9.5% Z.C

प्रमाण: 80 मिली प्रति एकड़

लाभ: गुलाबी इल्ली, हरी इल्ली और थ्रिप्स के लिए एक ही दवा। - प्रति पंप कम लागत।

- एडवांस जेड.सी. (ZC) निरुपण
- लंबे समय तक कीट नियंत्रण।
- बार-बार छिड़काव से मुक्ति।

पैकिंग: 10 मिली, 100 मिली, 200 मिली, 500 मिली, 1 लीटर

પહેલવાન 007 - पहेलवान 007 - PAHELVAN 007

संरचना : मोनोक्रोटोफोस 36 % एस.एल.

मात्रा : 400 से 500 मिली प्रति एकड़

लाभ:
- पहेलवान 007 सक्रीय मोनोक्रोटोफोस पर आधारित ओर्गेनोफॉस्फरस समूह का कीटनाशक है |
- पहेलवान 007 अंत:प्रवाही एवं संसर्गजन्य कीटनाशक है |
- पहेलवान 007 पानी में घुलनशील होने की वजह से तुरंत असर से कीड़ो का खात्मा करता है |
- पहेलवान 007 सायक्लोहेक्सोन आधारित रसायन होने से पोधो की हरियाली बढ़ाता है |
- पहेलवान 007 चूसक कीटो जैसे की माहु ,हरा मच्छर ,तेला ,थ्रिप्स , चेपा का असरकारक नियंत्रण करता है |
- पहेलवान 007 का उपयोग कपास,धान , सोयाबीन विविध किस्म में तिलहन एवं दलहनों पर किया जा सकता है |

पेकिंग: 250 मिली , 500 मिली, 1 लीटर , 5 लीटर

પહેલવાન 009 - पहेलवान 009 - PAHELVAN 009

संरचना : फ्रीपोनिल 5% ऐसी

मात्रा : 250 से 400 मिली प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान 009 एक स्पर्शीय तथा पेट में जाकर असर करनेवाला अंत:प्रवाही कीटनाशक है जो की नई पत्तिओ के जरिये पोधो के अंदर समा जाता है तथा तना छेदक , पत्ता छेदक, फल छेदक, भूरा फुदका ,हीरक पृष्ठशलम (डी.बी.एम) माहु इत्यादि से फसल को लम्बे समय तक सुरक्षा देता है |

- पहेलवान 009 अति आधुनिक तरीके से तैयार किया गया एक आदर्श थ्रिप्स एवं दीमकनाशक है|
- पहेलवान 009 फसल को लम्बे समय तक सुरक्षा प्रदान करता है एवं फसल का सर्वांगी विकास करता हे |
- पहेलवान 009 का खड़ी फसलों में ड्रेन्चिंग करनेसे दीमक पर नियंत्रण किया जा सकता है |

पेकिंग : 100 मिली,250 मिली , 500 मिली , 1 लीटर

પહેલવાન 011 - पहेलवान 011 - PAHELVAN 011

सरंचना: ट्राईझोफोस 40 % ई.सी

मात्रा: 500 मिली प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान 011 एक बहुफलक अंतःप्रवाही कीटनाशक है |

- पहेलवान 011 सोयाबीन की फसल में तने की मक्खी ,गर्डल बिटल , सेमीलूपर जैसी कीटो में कीटनाशकों के प्रति धीरे धीरे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती जा रही है | पहेलवान 011 में पत्ती के आरपार जाने की क्षमता एवं अंडे मारनेकी क्षमता हे इसलिए सोयाबीन की कीटो पर इसका नियंत्रण बहोत अच्छा है |
- पहेलवान 011 कीटो की सभी अवस्थामे जैसे की अंडा , इल्ली तक नियंत्रण करता है |
- पहेलवान 011 प्रथम एवं दूसरी अवस्था की इल्ली एवं सफ़ेद मख्खी का प्रभावी नियंत्रण करता है |
- पहेलवान 011 धान की फसल में तना मख्खी, पत्ता मोड़क तथा तना छेदक का संपूर्ण नियंत्रण करता है |
- पहेलवान 011 कपास में आनेवाली सफ़ेद मक्खी, गुलाबी इल्ली एवं धब्बेबाली इल्ली का पूर्ण नियंत्रण करता है |

पेकिंग: 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर, 5 लीटर

પહેલવાન 101 - पहेलवान 101 - PAHELVAN 101

सरंचना: लेम्बड़ा साहेलोथ्रिन 5 % ई.सी

मात्रा: 250 मिली प्रति एकड़ शरुआती अवस्थामें 250 से 400 मिली प्रति एकड़ अंतिम अवस्थामे

फायदे: पहेलवान 101 नई पीढ़ी का सिन्थेटिक ; पायरेथ्रॉईड कीटनाशक है जो कीटो की प्रतिकार शक्ति को विकसित होने से रोकता है |

- पहेलवान 101 तत्काल असरकारक एवं ज्यादा शक्तिशाली होने के कारण नुक्शान कम करता है एवं खर्च में कटौती करता है |
- पहेलवान 101 पत्तिमोडक, तना छेदक ,गुलाबी इल्ली , थ्रिप्स एवं चूसक कीटो का असरकारक नियंत्रण करता है |
- पहेलवान 101 का फसल की किसी भी अवस्था मे उपयोग कर सकते है |
- पहेलवान 101 से गुलाबी इल्लियों का असरकारक नियंत्रण होने से कपास के रेसा की गुणवत्ता बढ़ती है एवं बाजार में अच्छे दाम मिलते है |

पेकिंग: 100 मिली , 250 मिली , 500 मिली , 1 लीटर, 5 लीटर

પહેલવાન 108 - पहेलवान 108 - PAHELVAN 108

सरंचना: थायामेथोक्ज़ाम 30 % एफ.एस.

मात्रा: 100 से 150 मिली प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान - 108 नियोनिकोटिनोइड वर्ग का सर्वोतम कीटनाशक होने से कीटो की प्रतिकार क्षमता विकसित नहीं होती इसलिए लंबे समय तक सुरक्षा देता है |

- पहेलवान 108 तीव्र आंतरप्रवाही होने से छिड़काव के तुरंत बाद में पुरे पौधे में फेल जाता है और चूसक कीटो (माहु, हरा तेला , थ्रिप्स) का असरकारक नियंत्रण करता है |
- पहेलवान - 108 कीटो के नियंत्रण की वजह से पौधे पर ज्यादा फूल , अच्छे टिंडे लगते हे एवं उत्पादन बढ़ता हे | लंबे समय तक सुरक्षा देने के कारण कम छिड़काव होता हे एवं खर्च को कम करता है |
- पहेलवान 108 का बीजोपचार करने पर शरुआती अवस्था में चूसक कीटो के सामने सुरक्षा मिलती है|

छिडकाव का समय : माहु , हरा तेला एवं सफ़ेद मक्खी के प्रकोप के समय |

पेकिंग : 100 मिली, 250 मिली, 500 मिली

પહેલવાન 111 - पहेलवान 111 - PAHELVAN 111

सरंचना: इमिडाक्लोप्रिड 17.8 % एस.एल.

मात्रा : 50 से 100 मिली प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान 111 नियोनिकोटिनोइड वर्ग का सर्वोतम कीटनाशक होने से कीटो मे प्रतिकार क्षमता विकसित नहीं होती इसलिए लंबे समय तक सुरक्षा देता है |

- पहेलवान 111 तीव्र आंतरप्रवाही होने से छिडकाव के बाद पुरे पौधे में फेल जाता हे और चूसक कीटो (माहु ,हरा तेला ,थ्रिप्स) का असरकारक नियंत्रण करता है |

- पहेलवान 111 कीटो के नियंत्रण की वजह से पौधे पर ज्यादा फूल,अच्छे टिंडे लगते है एवं उत्पादन बढ़ता है | लंबे समय तक सुरक्षा देने के कारण काम छिड़काव होता है एवं खर्च को कम करता है |

पेकिंग : 100 मिली,250 मिली,500 मिली,1 लीटर

પહેલવાન 222 - पहेलवान 222 - PAHELVAN 222

संरचना: इमिडाक्लोप्रिड 30.5% एससी।

अनुपात: 5 से 10 मिली प्रति स्प्रे पंप अथवा 50 से 100 प्रति एकड़

लाभ: पहेलवान 222 अत्याधुनिक तकनीक से निर्मित आंतरप्रवाही कीटनाशक है जिसके कारण बहुत ही जल्द पुरे पोंधो के पत्तो पर फैलकर शोषण तेज बनाता है|

- पहेलवान 222 हर फसल में आनेवाली चूसक कीटो जैसे की माहु , हरा तेला , थ्रिप्स , चूरदा आदि का अंत्यत प्रभावशाली एवं लंबे समय तक नियंत्रण करता है जिस की वजह से खेती लागत एवं समय का बचाव होता है|

- पहेलवान 222 दीमक का भी असरकारक एवं लंबे समय तक नियत्रण करता है |

- पहेलवान 222 का उपयोग बीजोपचार एवं छिड़काव ड्रेन्चिंग द्वारा किया जाता है |

- पहेलवान 222 धान में लगनेवाले भूरे माहु का असरकारक रोकथाम करता है |

- पहेलवान 222 आंतरप्रवाही एवं मित्र कीटो के लिए सलामत है |

पेकिंग : 10 मिली , 50 मिली,100 मिली,250 मिली,500 मिली , 1 लीटर

પહેલવાન 333 - पहेलवान 333 - PAHELVAN 333

संरचना : इमिडाक्लोप्रिड 70 % डब्ल्यू जी

मात्रा : 5 से 7 ग्राम प्रति 15 लीटर स्प्रे पंप अथवा 50 से 70 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान 333 नियोनिकोटोनोइड वर्ग का अति आधुनिक तकनीक से विकसित जंतुनाशक है |

- पहेलवान 333 हरा तेला, माहु एवं सफ़ेद मख्खी का सही एवं लंबे समय तक नियंत्रण करता है |

- पहेलवान 333 संपूर्ण अंतः प्रवाही होने की वजह से पुरे पौधे में फेल जाता है एवं हठीले कीटो को जैसे की हरा तेला , माहु एवं सफ़ेद मख्खी का नियंत्रण करता है |

पहेलवान 333 इसके उपयोग की कम मात्रा एवं लंबी असरकारकता की वजह से खर्चे में कमी होती है |

- पहेलवान 333 धान एवं आम में आनेवाले भूरा माहु का असरकारक नियंत्रण करता है |

पेकिंग : 2 ग्राम,30 ग्राम,75 ग्राम, 150 ग्राम

પહેલવાન 786 - पहेलवान 786 - PAHELVAN 786

सरंचना : कार्टप हाईड्रोक्लोराईड 50 % एस.पी

मात्रा : 100 से 200 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान 786 एवं प्रभावशाली स्पर्शीय जहर,उदरीय जहर एवं अंतःप्रवाही जहर होनेसे लंबे समय तक नियत्रण करता है | तना छेदक , फल छेदक एवं हरी इल्ली का हर अवस्था में असरकारक नियत्रण करता है |

- पहेलवान 786 बैगन में हठीली कीटो जैसे की फल छेदक (फ्रूट और शूट बोरर) एवं सफ़ेद मख्खी का असरकारक नियंत्रण करता है |

- पहेलवान 786 धान की फसल में तना छेदक ,पत्ती मोड़क एवं पत्तीलपेट इल्ली का असरकारक नियत्रण करता है |

पहेलवान 786 से कपास में आनेवाला हरा तेला और सफ़ेद मख्खी के लिए 10 ग्राम प्रति पंप छंटकाव करनेसे असरकारक नियंत्रण किया जा सकता है |

पेकिंग : 100 ग्राम , 250 ग्राम ,500 ग्राम

પહેલવાન 999 - पहेलवान 999 - PAHELVAN 999

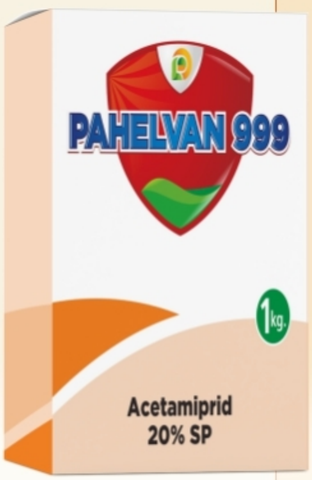

सरंचना : एसीटामिप्रिड 20% एस.पि

मात्रा: 30 से 40 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : पहेलवान 999 ट्रान्सलेमिनार गुणधर्म के कारण पौधे के किसी भी भाग में छिपी हुई कीटो को मारकर असरकारक नियत्रण करता है |

- पहेलवान 999 में अंडानाशक गुणधर्म होने की वजह से कीटो के अंडो का भी नाश करता है |

- पहेलवान 999 नियोनिकोटिनोइड रासायनिक ग्रुप का होने की वजह से इसकी असरकारकता लंबे समय तक रहती है |

- पहेलवान 999 का इस्तेमाल मुख्यतः कपास, जीरा, सब्जियां, तरबूज, खरबूज, गेहू, सरसो, निम्बू प्रजाति के फल वृक्ष पर माहु या चेपा, हरा तेला, चूरदा, फुदका, सफेद मख्खी तथा अन्य प्रकार के रस चूसक कीटो के लिए किया जाता है|

पेकिंग : 20 ग्राम ,100 ग्राम , 250 ग्राम , 500 ग्राम

અપરાધ - अपराध - APRADH

દુશ્મન - दुश्मन - DUSHMAN

संरचना: फ्रीप्रोनिल 40% + इमिडाक्लोप्रिड 40% डब्ल्यू.जी

मात्रा: 40 ग्राम प्रति एकड़

लाभ: दुश्मन एकमात्र दवा है जो थ्रिप्स और हरी पत्तेदार सब्जियों को एक साथ नियंत्रित करता है।

- दुश्मन का परिणाम तेजी से और लंबे समय तक मिलता है।
- दुश्मन के इस्तेमाल से लगातार छिड़काव की परेशानी से छुटकारा दिलाती है।
- दुश्मन जबरदस्त संपर्क और आंतरप्रवाहि की कार्रवाई करता है।
- दुश्मन कीड़े को तुरंत निष्क्रिय कर देता है और मार देता है।

पैकिंग: 40 ग्राम, 100 ग्राम, 250 ग्राम

ઈલાજ - इलाज - ILAJ

सरंचना : क्लोरापायरीफोस 50 % + साईपरमेथ्रिन 5 % ई.सी

मात्रा : 400 से 500 मिली प्रति एकड़

फायदे : इलाज एक स्पर्शीय ,उदरीय एवं गैस द्वारा फसलों के रसचूसक एवं टिंडे की इल्लियो का असरकारक नियंत्रण करता है |

- इलाज कीटो को तेजी से मारकर लम्बे समय तक सुरक्षा प्रदान करता है |
- इलाज कीटो की प्रतिकार शक्ति को तोडने में मदद करता है |
- इलाज चना,अरहर एवं अन्य दलहनी फसलों को नुकशान पहुचानेवाले प्रमुख इल्लियाँ को हर अवस्था मे नियंत्रण करता है |
- इलाज का उपयोग धान के प्रमुख किट तना छेदक, भूरा माहु , पत्तालपेट, कटुआ इल्ली आदि के नियंत्रण के लिए होता है |
- इलाज दीमक का असरकारक एवं लम्बे समय तक नियंत्रण करता है |

पेकिंग : 100 मिली , 250 मिली , 500 मिली,1 लीटर , 5 लीटर

પાશા - पाशा - PASHA

संरचना: इमामेक्टिन बेंजोएट 1.9% ई.सी.

अनुपात: प्रति पंप 20 मिली

लाभ: पाशा सभी प्रकार के इल्लीओ को प्रभावी रूप से नियंत्रित करता है।

- पाशा छिड़कने के तुरंत बाद इल्ली खाना बंद कर देते हैं।
- पाशा इल्लीओ के खिलाफ फसल को दीर्घकालिक संरक्षण देता है।

पैकिंग: 50 मिली, 100 मिली, 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर

બદલા - बदला - BADLA

सरंचना : वेलिडामाइसिन 3 % एल.

मात्रा : 500 से 700 मिली प्रति एकड़

फायदे : बदला धान की शीथब्लाइट की प्रभावशाली रोकथाम करता है |

- बदला का प्रभाव कवक तंतु के द्वारा संचारित है तथा उसके सीधे संपर्क में आने पर उसे बढ़ने से रोकता है , जिससे उसका असर लंबे समय तक रहता है |
- बदला आलू की फसल में बीजोपचार देने से आलू की गुणवत्ता बढती है |
- जीरा एवं धनिया में दुश्मन का छिडकाव करनेसे पौधा अंदर से मजबूत बनता है|

पेकिंग : 100 मिली ,250 मिली,500 ,मिली,1 लीटर

પ્રતિજ્ઞા - प्रतिज्ञा - PRATIGNYA

सरंचना : सल्फर 80% डब्ल्यू.डी .जी

मात्रा : 50 से 70 ग्राम प्रति पंप एवं 500 से 700 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : प्रतिज्ञा एक अति सूक्ष्मतत्व प्रकार का रत्नाकर का विशेष उत्पादन है जिसका निर्माण कंपनी के आधुनिक प्लाट में किया जाता है |

- प्रतिज्ञा का कण अति सूक्ष्मतत्व होने से पानी में जल्दी से और आसानी से घुलता है एवं पोधो में सीधे अवशोषित हो जाता है |
- प्रतिज्ञा का प्रयोग विभिन्न फसलों में लगने वाले भभूतिया रोग की रोकथाम के लिए किया जाता है |
- इसके अलावा प्रतिज्ञा एक अष्टपदी नाशक के (मकड़ी ,माईटस) रुप में भी उपयोग होता है |

पेकिंग : 500 ग्राम, 1 किलो, 5 किलो

ગર્જના - गर्जना - GARJNA

संरचना: प्रोफेनोफोस 40 % + साईपरमेथ्रिन 4% ई.सी.

मात्रा: 500 से 600 मिली प्रति एकड़

फायदे : गर्जना एक स्पर्शनीय एवं उदरीय बहुफलक कीटनाशक है | यह दो तत्वों (प्रोफेनोफोस एवं साईपरमेथ्रिन) का मिश्रण है |

- गर्जना पत्तो के दोनों तरफ से तेजी से फैलने की शक्ति के कारण बारिश में धुलता नहीं है |
- गर्जना इल्लियां एवं पत्तो को खानेवाली इल्लियां का उत्तम नियंत्रण करता है |
- गर्जना एक उत्तम अंडानाशक है |
- गर्जना उपयोगी कीटो को नुकशान नहीं करता है |
- गर्जना का कपास में फूल आते समय छिड़काव करने से गुलाबी इल्लियां का असरकारक नियंत्रण होता है |
- गर्जना का उपयोग कपास , चना , सोयाबीन ,अरहर , धान तथा अन्य साग - सब्जियों वाली फसलों में कीटो के नियंत्रण के लिए होता है |

पेकिंग : 100 मिली,250 मिली, 500 मिली , 1 लीटर , 5 लीटर

કઠોર 001 - कठोर 001 - KATHOR 001

संरचना: टेबूकोनाझोल 10% + सल्फर 65% डब्ल्यू जी

मात्रा: 400 से 500 ग्राम प्रति एकड़

लाभ: कठोर - 001 सबसे अच्छा संयोजन और सुरक्षित फफूंदनाशी है।

- पौधे पर अधिक समय तक रहता है और पत्ती की सतह पर समान रुप से फैलता है।
- कठोर - 001 पर्यावरण के लिए सुरक्षित है।
- कठोर - 001 विभिन्न फुग के खिलाफ बहुत उपयोगी है।
- पौधों में विल्ट रोग को नियंत्रित करने के लिए कठोर - 001 सर्वोत्तम है।

पैकिंग: 250 ग्राम, 500 ग्राम, 1 किलो

કઠોર 007 - कठोर 007 - KATHOR 007

सरंचना: थायफेनेट - मिथाइल 70 % डब्ल्यू पी

मात्रा: 30 से 35 ग्राम प्रति 15 लीटर पंप अथवा 300 से 350 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : कठोर 007 में थायोफिनेट मिथाइल 70 % घुलनशील पावडर है जिसका उपयोग विभिन्न प्रकार के सब्जिया में लगनेवाली फफूंद जनित बिमारीया के नियत्रण के लिए होता है|

- कठोर 007 का उपयोग अल्टरनेरिया स्पेसीज , सरकोस्पारा स्पेसीज , फफूंद , जड़ सड़न , आंद्रगलन इत्यादि के निंयत्रण के लिए बहुतायात से किया जाता है |
- कठोर 007 लम्बे समय तक पौधो को रोग से बचाता है |
- कठोर 007 के उपयोग से फफूंद जनित बीमारियों की रोकथाम के कारण उपज में भी काफी वृद्धि होती है |
- कठोर 007 भिंडी,टमाटर , पत्तागोभी ,बैगन एवं खीरा वर्गीय साग सब्जियो पर चूर्णिल फफूद जैसी बीमारिया की उत्तम रोकथाम है |

पेकिंग : 100 ग्राम,250 ग्राम,500 ग्राम,1 किलो

કઠોર 303 - कठोर 303 - KATHOR 303

संरचना : हेक्साकोनाज़ोल 5%एस.सी

मात्रा : 300 से 400 मिली प्रति एकड़

फायदे : कठोर 303 एक अति आधुनिक एवं बहु उपयोगी हेक्साकोनाज़ोल टेक्नीकल पर आधारित फफूंदीनाशक है |

- कठोर 303 एक तेज असरवाला आंतरप्रवाही होने से पौधेके रस में जल्दी से अवशोषित होकर विभिन्न प्रकार के रोगो का असरकारक नियत्रण करता है |
- कठोर 303 बीमारियों के आने से पहले एवं आने के बाद दोनों ही परिस्थितियों में काम करने वाला एक असकारक फफूंदीनाशक है |
- कठोर 303 आम, मुगफली, धान , सरसो, कपास, सोयाबीन, मिर्च एवम साग सब्जी और बागवानी की फसलों में फफूंद रोग का असरकारक नियत्रण करता है |
- कठोर 303 भभूतिया रोग को रोकता है अगर आ गया हे तो पूर्ण रुप से नियत्रण करता हे |
- कठोर 303 अंतरप्रवाही होने से पत्ती पर एक समान फेलकर पौधो में चला जाता है जिससे लंबे समय तक रोग के ऊपर निंयत्रण रखा जा सकता है |
- कठोर 303 बहुत किफायती एवं जिव जंतु और पर्यावरण के लिए सुरक्षित है |

पेकिंग : 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर, 5 लीटर

કઠોર 786 - कठोर 786 - KATHOR 786

सरंचना : ट्राईसाइक्लाजोल 75% डब्ल्यू पी

मात्रा : 120 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : कठोर 786 पौधो के पत्तो के द्वारा तुरंत सोख लिया जाता है जिसके कारण यह जल्दी असर करता है |

- कठोर 786 का उपयोग धान के बीजोपचार के लिए किया जाता है जिससे शरुआत से ही फफूंद जनित रोगो पर निंयत्रण रखा जा सकता है|
- कठोर 786 के उपयोग से धान की अधिक उपज एवं अच्छी गुणवत्ता प्राप्त होती है |
- कठोर 786 मिर्च के प्रमुख रोग डायबैक का असरदार निंयत्रण करता है |
- कठोर 786 मनुष्य एवं मित्र कीटो के लिए सुरक्षित है |

पेकिंग : 25 ग्राम ,100 ग्राम ,250 ग्राम

ફોજદાર 007 - फोजदार 007 - FAUJDAR 007

संरचना: 2.4-डी अमाइन सोल्ट 58% एस एल| (चयनात्मक शाकनाशी)

मात्रा: गेहूं में निराई के लिए 500 मिली फोजदार 007 प्रति एकड़ 250 लीटर पानी के साथ ।

गन्ने में निराई के लिए 2.6 लीटर फोजदार 007 प्रति एकड़ 300 लीटर पानी के साथ
आलू में निराई के लिए, 1.5 लीटर फोजदार 007 प्रति एकड़ 180 लीटर पानी के साथ
जुवार में आनेवाले निराई के लिए 1. 5 लीटर फोजदार 007 प्रति एकर 250 लीटर पानी साथे
मक्के में आनेवाले निराई के लिए 350 मिली फोजदार 007 प्रति एकर 250 लीटर पानी के साथ

विधि: छिड़काव के लिए आवश्यक मात्रा में पानी लेकर निराई पर छिड़काव करें।

- सर्वोत्तम परिणाम के लिए निराई नाशक के साथ गैर-आयनिक सर्फेक्टेंट / स्टिकर का उपयोग करें।

- छिड़काव के लिए फ्लैट फैन या फ्लड जेट नोजल के साथ एक नेकसेक स्प्रे का उपयोग करें।

लाभ: फोजदार 007 का गेहूं, गन्ना, आलू, ज्वार, मक्का के विभिन्न प्रकार के निराई पर एक चयनात्मक प्रभाव पड़ता है।

- कपास, तम्बाकू, मिर्च, टमाटर, अंगूर जैसी फसलों को फोजदार 007 के छिड़काव से दूर रखना।

पैकिंग: 100 मिली, 250 मिली, 500 मिली, 1 लीटर, 5 लीटर

ફોજદાર 011 - फोजदार 011 - FAUJDAR 011

सरंचना : प्रेटीलाक्लोर 50 % ई. सी.

मात्रा : 400 से 500 मिली प्रति एकड

फायदे : फोजदार 011 एक चुनिंदा खरपतवारनाशक है जो की खरपतवारो का उगनेसे पहले ही प्रभावी नियत्रण करता है |

- फोजदार 011 चौड़ी पत्ती एवं सकरी पत्ती वर्ग के खरपतवारो जैसे की मिर्च बूटी, चुनचुनिया, साँवा प्रजाति (स्वांकी, सस्वाँक) छतरी मोथा आदि की रोकजाम करता है |

- फोजदार 011 उपयोग करने पर 30 - 45 दिनों तक खरपतवारो [पर प्रभावी नियंत्रण रहता है |

पेकिंग : 500 मिली, 1 लीटर, 5 लीटर

ફોજદાર 099 - फोजदार 099 - FAUJDAR 099

संरचना: ओक्झीफ्लोरफेन 23.5 % ई.सी.

मात्रा : 10 से 12 मिली 15 लीटर पानी में प्रति स्प्रे पंप अथवा 100 से 150 मिली फोजदार 099 200 लीटर पानिमे प्रति एकड़ प्रयोग करे |

फायदे: फोजदार 099 एक चुनिन्दा खरपतवारनाशक है |

- फोजदार 099 का प्रयोग प्याज,आलू,जीरा, लहसुन, मुगफली और मेंथा में किया जा सकता है |
- फोजदार 099 खरपतवारो को उगनेसे पहले रोकने वाला खरपतवार है |

पेकिंग : 50 मिली ,100 मिली ,250 मिली ,500 मिली

ફોજદાર 101 - फोजदार 101 - FAUJDAR 101

संरचना : ग्लाइफोसेट 41% एस.एल.

मात्रा : 1. 5 लीटर प्रति एकड़ अथवा 16 से 17 मिली प्रति 1 लीटर पानी

तरीका : एकदम शुद्ध क्षारमुक्त 15 लीटर पानी में 100 ग्राम अमोनियम सल्फेट डालकर एवं 250 मिली फोजदार 101 डालकर और मिलाकर हरी अवस्थामे सभी प्रकार के खरपतवार के ऊपर छिड़काव किया जा सकता है |

फायदे : फोजदार 101 एक अंतःप्रवाही गैर - चुनिन्दा ,जमाव के पश्चात इस्तेमाल होनेवाला खरपतवारनाशक है जो की एक तथा बहुवर्षीय प्रजाति की घासो एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारो पर अंत्यत प्रभावी है |

- फोजदार 101 का प्रयोग ज्यादातर बागवानी फसलों जैसे चाय,कोफ़ी,रबर आदि तथा विशेष सुरक्षाकारी उपकरणों के जरिये सजावटी पौधो के साथ उगने वाले खरपतवारो की रोकथाम के लिए किया जा सकता है |
- फोजदार 101 मेंढ़ों और नालियाँ के खरपतवारो का जड़ से नष्ट करने वाला खरपतनाशक है |

पेकिंग : 500 मिली , 1 लीटर , 5 लीटर , 20 लीटर

ફોજદાર 108 - फोजदार 108 - FAUJDAR 108

सरंचना : अमोनियम सोल्ट ओफ ग्लायफोसेट 71% एस.जी.

मात्रा : 100 ग्राम 15 लीटर पानी में प्रति स्प्रे पंप

तरीका : एकदम शुद्ध क्षारमुक्त 15 लीटर पानी में 100 ग्राम फोजदार - 108 डालकर एवं मिलाकर हरी अवस्थामे सभी प्रकार के खरपतवारो के ऊपर छिड़क़ाव किया जा सकता है |

फायदे : फोजदार - 108 एक अचुनिंदा ,बहुउपयोगी और उगने के बाद हर तरह के खरपतवारो को जड से नष्ट करने वाला खरपतवारनाशक है |

- फोजदार 108 का उपयोग मेंढ़ों और नालियो के खरपतवारो को जड़ से नष्ट करनेके लिए किया जाता है |

पेकिंग : 100 ग्राम,1 किलो

ફોજદાર 303 - फोजदार 303 - FAUJDAR 303

सरंचना : कार्बेन्डाजिम 12% + मेंकोजेब 6.3 % डब्ल्यू पि.

मात्रा : 300 से 400 ग्राम प्रति एकड़

फायदे : फोजदार -303 एक वृहद्स्पर्श एवं अंतःप्रवाही फफूंदीनाशक है |

- फोजदार 303 का प्रयोग मूल विगलन ,गाढ़ पड़ना ,पर्ण धब्बा ,रतुआ ,चूर्ण आसिता , अगेती व पछेती झुलसा , ऐन्थ्रेक्रोज इत्यादि रोगो में किया जाता है |
- मुगफली एवं अन्य फसलों में टिक्का एवं गेरु का असरकारक नियंत्रण करता है |
- आम,मुगफली , सब्जिया एवं अन्य फसलों में आनेवाले भभूतिया तथा डाउनी मिल्डयु के नियंत्रण के लिए उपयोग किया जा सकता है |

पेकिंग : 20 ग्राम ,100 ग्राम,250 ग्राम ,500 ग्राम , 1 किलो

ફોજદાર 786 - फोजदार 786 - FAUJDAR 786

सरंचना : पेन्डीमिथालीन 30% ई.सी.

मात्रा : 1 लीटर प्रति एकड़ : मध्यम जमीन तथा 1. 5 लीटर प्रति एकर : भरी जमीन
छिंडकव का समय : बुआई करने के बाद एव फसल उगनेसे पहले |

तरीका : जमीन को अच्छी तरह से तैयार कर के , बीज को डालकर सिंचाय दो |

- बीज डालने के 2 दिनों के अंदर जमीन में नमी हो तब फोजदार 786 का छिड़काव करे |
- छिड़काव के लिए हमेशा फ्लेट फेन अथवा जेट नोज़ल का उपयोग करे |
- एक एकड़ में 200 लीटर पानी का उपयोग करे |

फायदे : फोजदार 786 फसल उगनेसे पहले उपयोग होने की वजह से एकदम सुरक्षित है |

- फसल एवं खरपतवार के बिच पोषक तत्वों के लिए स्पर्धा नहीं होती जिस कारण खरपतवार नहीं उगते |
- शरुआत से ही खरपतवार का नियंत्रण होनेसे रोग एवं कीटो कि संख्या कम होती है परिणाम स्वरुप फसल की स्वस्थ उपज मिलती है |
- फोजदार 786 सौंफ , तंबाकू ,गाजर,प्याज,जीरा,लहसुन,मटर ,दलहन जैसी फसलों में आनेवाला सांवा , नोनिया,दूधी ,चौलाई,बधुआ जैसे खरपतवारो को लंबे समय तक नियत्रण करता है |

पेकिंग : 250 मिली,500 मिली,1 लीटर , 5 लीटर

गेहू - चावल

(1) बुआई के वक्त धरती रत्नम दानेदार 25 किलो प्रति बीघा में देना।
(2) बुआई के 15 दिन बाद रत्नदीप प्रवाही 50ml /15 ltr पंप।
(3) रत्नपुष्प 50 ml बुआई के बाद
(4) रत्नदीप + रत्नपुष्प (50 ml + 50 ml)बुआई के 35 दिन बाद फीर छंटकाव करे।

आम

- आम के पेड़ के आसपास चतुष्कोण बनाइये। उसके चारो कोनो पे चार खडा करे ,50 ltr पानी में 250 ml . धरती रत्नम मिला के चारो खड़ो में डाल दे और उसके साथ गोबर का खाद डाल दे।
- उसके तीन दिन बाद चारो खड़ो के अंदर रख के मिटी की रिंग बनाए और उसमें पानी भर दो। यह प्रयोग 20 दिन बाद फिर से करे जिससे पेड़ के जड़ ,शाखा और फलो का विकाश होगा।
- फूल आने के 10 दिन पहले रत्नदीप + रत्नपुष्प (50 ml + 50 ml) पंप पेड़ के ऊपर स्प्रे करे।
- दूसरा स्प्रे फूल आने के 10 दिन बाद रत्नदीप + रत्नपुष्प (50 ml +50 ml) पंप पेड़ के ऊपर स्प्रे करे जिससे फूलो और आम की संख्या बढ़ेगी।

अंगूर

(1) शाखाओ की कटींग के बाद धरती रत्नम 16 किलो प्रति बिधा में देना।
(2) फूल आने के बाद 7 दिन पहेले रत्नदीप + रत्नपुष्प (50 ml +50 ml) पंप पेड़ के ऊपर स्प्रे करे जिससे फूल अच्छा होगा।
(3) दूसरा स्प्रे फूल आने के 10 दिन बाद रत्नदीप + रत्नपुष्प (50 ml +50 ml)पंप पेड़ के ऊपर स्प्रे करे जिससे अंगूर के दाने का गठन अच्छा होगा।
(4) अंगूर के दाने का गठन 20दिन बाद रत्नदीप 50 ml /पंप स्प्रे करे।
(5) अंगूर क दाने का गठन 40 दिन बाद रत्नदीप 50 ml /पंप स्प्रे करे जिससे अंगूर की पैदावारी की बढ़ोती होगी।

सब्जी : भिंडी, बेंगन, टमाटर, मिर्ची, पत्ता गोबी, फूलगोबी, करेला, लोकी...

(1) बुआई के वक्त धरती रत्नम दानेदार 25 किलो प्रति बीघा में देना।
(2)बुआई के 20 दिन बाद रत्नदीप प्रवाही 50 ml /15 ltr पंप।
(3) रत्नदीप + रत्नपुष्प (50 ml +50 ml) बुआई के 35 से 50 दिन बाद फिर छिड़काव करे।
(4) रत्नदीप (50ml + 50ml) बुआई के बाद 50 दिन बाद फिर छिड़काव करे, फिर उत्पादन बढाने के लिए छिंडकव करे।

कपास (बी.टी)

(1) बुआई के वक्त धरती रत्नम दानेदार 25 किलो प्रति बीघा में देना।
(2) बुआई के 20 दिन बाद धरती रत्नम + रत्नदीप प्रवाही 50ml ./15 ltr पंप
(3) रत्नदीप + रत्नपुष्प (50ml +50ml)बुआई के 35 दिन बाद।
(4) रत्नदीप + रत्नपुष्प (50ml +50ml) बुआई 50 से 60 दिन बाद।
(5) रत्नदीप 50ml बुआई के 70 दिन बाद।

गन्ना

(1) दानेदार धरती रत्नम खाद 24 किलो प्रति बिघा धरती रत्नम में देना।
(2) बुआई के रत्नाकर 50ml. /15 ltr पंप।
(3) फीर 15 दिन के बाद रत्नदीप + रत्नसागर 500ml.+500ml. प्रति पंप यह प्रयोग हर 25 दिन के अंतरियाल बाद 3 बार स्प्रे करना।

आलू , प्याज, लहसुन

1) बुआई के वक्त धरती रत्नम 25 किलो प्रति बीघा में देना।
(2) पहेले पानी के वक्त 500ml. रत्नसागर प्रति बीघा में देना।
(3) बुआई के 20 दिन बाद रत्नदीप 50ml. प्रति पंप।
(4) रत्नदीप + रत्नपुष्प (50ml.+50ml.) बुआई के 30 दिन बाद प्रति पंप।
(5) रत्नदीप +रत्नपुष्प (50ml. +50ml.)बुआई के 40 दिन बाद प्रति पंप।
(6) बुआई के 55 दिन बाद रत्नदीप 50ml. प्रति पंप।

हमारे प्रोडकटस के उपयोगसे ज्यादा फसल लेने वाले कीसान

Natubhai Patel
maharajpura
(Cumin seed, Tomato)
9825123414

Mahendrasinh Vaghela
Sanand, Gujarat
(Vegetables)
9898779103

Bahdursinh Jadeja
Nani Khakhar, Ta. Mandvi
(Pomegranate, Mango, Banana, Wheat, Cottan)
9712241041

Rahul Halpani
Pulivaal, Ta. Nakhatrana, Kutch
(Pomegranate)
9429112458

Sankarlal Dangi
Pratapgarh, Rajasthan
(Afim, Soyabean)
9413044092

Parmatama Singh
Sriganganagar, Rajasthan
(Wheat, Cotton)
9828406024

Karamjit Singh
Sriganganagar, Rajasthan
(Wheat, Cotton)
9799084224

Labha Singh
Sriganganagar, Rajasthan
(Wheat, Cotton)
9799692618

Sundarlal Nagwanshi
Chindwara, MP
(Tomato, Potato)
9893750807

Sushma Sharma
Chindwara, MP
(Cauliflower)
9669318855

Suraj Mohray
Chindwara, MP
(Wheat)
9685846228

Rakesh Kushwaha
Chindwara, MP
(Tomato, Potato)
8319284906

Sanjay Gawali
Nashik, Maharashtra
(Onion)
9423391481

Vishwanath Thete
Nashik, Maharashtra
(Tomato)
9657939711

Sukhdev Tambere
Nashik, Maharashtra
(Grapes)
9604999138

Tanaji Bodke
Nashik, Maharashtra
(Vegetables)
8390678678

हमारे नए उत्पादन जल्द ही आ रहे हैं

- गाय के गोबर का खाद
- जैविक खरपतवारनाशक
- पोटेशियम ह्युमेट 98 %
- NPK 12 : 32 : 6 , 20 : 20 : 0 , 20:10:10
- बोरोन 20 %

Ratnakar®
Fertilizer Industries Pvt. Ltd

Registered Office: B 404, Titanium Heights,
Opp. Vodafone House, Corporate Road,
Prahaladnagar, Ahmedabad 380015.
Customer Care No.: +91 79489 53261 • +91 98250 96593
Email: inquiry@rfi.net.in
Web: www.ratnakarfertilizerindustries.com

GreenCert

Approved Input for use in
Organic Agriculture according to NPOP standards
Attested by GreenCert Biosolutions Pvt.Ltd.
No. NPOP/IM/22220896